दिनांक 18.05.2016 को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना स्वास्थ्य केन्द्र, इन्दौर के लोकार्पण के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

1. आज इन्दौर में सी.जी.एच.एस. वेलनेस सेंटर के उद्घाटन के इस सुअवसर पर यहां आए आप सभी महानुभावों का अभिनन्दन करती हूं। इन्दौर की जनता की यह चिर–परिचित मांग थी। अंततः, सरकार ने उनकी मांगों को तवज्जो देते हुए हुए मॉलकॉम रेसिडेन्सी कालोनी, मनोरमा गंज, इन्दौर में एक सी.जी.एच.एस. स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का निर्णय लिया जिसके उद्घाटन का सौभाग्य मुझे प्राप्त हो रहा है।

2. इस अवसर पर मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इस स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना के लिए किसी भी प्रकार का सहयोग प्रदान किया है। केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति ने भी इस संबंध में बहुत महत्वपूर्ण प्रयास किया है। उनके प्रयासों के लिए उन्हें आभार प्रकट करती हूं।

3. मैंने भी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी को इस मामले को लेकर कई पत्र लिखे, उन्होंने हमारी बातों को सुना एवं मंत्रालय ने इन्दौर को नए स्वास्थ्य केन्द्र की सौगात दी, इसके लिए मैं उनका आभार प्रकट करती हूं। स्वास्थ्य केन्द्र के शुरू हो जाने से इन्दौर तथा आसपास के 10 हजार से अधिक पेंशनरों को सर्वाधिक लाभ होगा। इसके अलावा, सांसदों, अखिल भारतीय सेवा तथा केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों जैसे केन्द्रीय सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय

औद्योगिक सुरक्षा बल, सी.आर.पी.एफ. आदि के सेवानिवृत्त अधिकारी–कर्मचारी भी सी.जी.एच.एस. के स्वास्थ्य केन्द्र पर इलाज करवा सकेंगे। इन्दौर में सेवारत केंद्रीय कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य भी सी.जी.एच.एस. का विकल्प चुनने पर इलाज करवा सकते हैं।

4. अब तक देश में सी.जी.एच.एस. स्कीम के तहत कुल 273 ऐलौपैथिक, 19 पॉलीक्लिनिक, 85 आयुष केन्द्र एवं 4 सी.जी.एच.एस. अस्पताल कार्यरत हैं जो पूरे भारत के सरकारी कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। अब तक भारत के 25 जिलों में यह सुविधा उपलब्ध थी। इन्दौर 26वां जिला हो गया है जहां यह स्वास्थ्य केन्द्र खुल रहा है।

5. आप सब जानते हैं कि इन्दौर मध्यप्रदेश की शैक्षिक, सांस्कृतिक और आर्थिक राजधानी है। **इन्दौर शहर से मेरा विशेष लगाव है और यहां कि हर छोटी–बड़ी उपलब्धि मेरे लिये विशेष मायने रखती है। और इस शहर की और यहां के लोगों की छोटी से छोटी समस्या भी मेरे लिये चिन्ता का विषय होती है। आप सब से; इस माटी से मेरा लगाव सर्वविदित है। इसलिये इस छोटे स्वास्थ्य केन्द्र के उद्घाटन के कार्यक्रम के निमन्त्रण को मैं मना नहीं कर पाई और आज आप सबके बीच आकर मुझे हार्दिक खुशी है।** एक महानगर के रूप में विकसित होते इस शहर की आबादी लगभग 20 लाख को पार कर रही है। परंतु, सी.जी.एच.एस. स्कीम के वेलनेस सेंटर के न होने से कार्यरत एवं पेंशन ले रहे सरकारी कर्मचारियों को इलाज हेतु

या तो भोपाल या मुम्बई जाना पड़ता था जो कि उनके लिए कष्टकारी एवं खर्चीला होता था। पेंशन लेने वाले सरकारी कर्मचारी के अतिरिक्त उन बुजुर्गों को भी इसका लाभ मिलेगा जिनके पुत्र/पुत्रियां इन्दौर से बाहर किसी दूसरे शहर में कार्यरत हैं एवं उनके माता–पिता इन्दौर में रहते हैं। ऐसी अवस्था में, उनके स्वास्थ्य की बेहतर देखरेख संभव है।

6. **व्याधि, बीमारी, जीवन का एक अंग है। हम में से शायद ही कोई होगा जो कभी बीमार ना पड़ा हो। रोग की सही समय पर जानकारी और सही इलाज से आज हर बीमारी का इलाज सम्भव है। ये स्वास्थ्य केन्द्र सरकार द्वारा आप लोगों को सुविधा देने के लिये है। मैं यह मानती हूं कि नागरिकों का बीमारी के प्रति सचेत होना व एक स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाना भी एक कर्तव्य है। शरीर स्वस्थ होगा तभी बाकी काम होंगे। शास्त्रों में कहा गया है– "शरीर माध्यम् खलु धर्मसाधनम्"।** इस सुविधा के मिल जाने से उन सभी लोगों को लाभ होगा, जो केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत रजिस्टर्ड हैं एवं जिन्हें निरंतर इलाज की आवश्यकता है। खासकर वृद्धों, महिलाओं एवं छोटे बच्चों को काफी सुविधा होगी तथा उन परिवारों के इस मद में होने वाले अनावश्यक खर्च में भी कटौती होगी। **इन्दौर में 25,000 के करीब सरकारी मुलाज़िम है जो इसका सीधा लाभ ले सकेगें।**

7. शासन का उद्देश्य सबके लिए स्वास्थ्य सेवाएं एवं अनुषंगी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मैं मानती हूं कि इस अस्पताल के खुल जाने से सरकारी कर्मचारियों के अतिरिक्त आम जनता को भी इसका लाभ प्राप्त हो सकेगा। औषधालय भी हमारे देवालय के समान ही होते हैं। जहां देवालय में मन की शांति मिलती है, उसी प्रकार औषधालय में हमें रोग से मुक्ति मिलती है। आप सभी के लिए बनाया गया यह स्वास्थ्य केन्द्र आप ही की संपत्ति है। इसके बेहतर प्रबंधन, संचालन एवं रख–रखाव में हाथ बंटाने का काम आपका भी है। इसलिए आप इसे और बेहतर बनाने के विषय में सुझाव भी दे सकते हैं।

8. हम सब जानते हैं कि विशिष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं एवं स्पेशल स्वास्थ्य सुविधाएं ज्यादातर बड़े शहरों में हुआ करती है। छोटे एवं मध्यम आबादी वाले शहरों में यदि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त स्वास्थ्य केन्द्र खोले जाएं, तो इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर मरीज का पलायन भी रूकेगा और वे अपने घर में ही बेहतर चिकित्सा सुविधा पा सकेंगे। मैं समझती हूं कि बुजुर्ग सरकारी कर्मचारी एवं उनके आश्रितों को समुचित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से यह स्वास्थ्य केन्द्र अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

9. इसके अतिरिक्त, अगले कुछ वर्षों में जीवन प्रत्याशा में बढ़ोतरी के कारण बड़ी संख्या में भारतीय 65 वर्ष की उम्र को पार कर जाएंगे। उम्रदराज हो रही आबादी को सुविधाएं एवं स्वास्थ्य सेवा समेत उन्हें

आवश्यक सामाजिक सुरक्षा देने की दिशा में बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

10. जहां तक भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रश्न है, तो यह बहुत परेशान कर देने वाला तथ्य है कि वर्ष 2020 तक विश्व के हर पांच मधुमेह रोगियों में से एक भारत से होगा। वर्तमान में भी भारत में पूरे विश्व में सबसे अधिक तपेदिक के मरीज हैं। इससे हमारी स्वास्थ्य सुविधा पर भारी जोर पड़ता है। **जीएसटी, निजीकरण, सब्सिडियों, श्रम, प्रतिरक्षा, बीमा, बैंकिंग, कोयला, बिजली और गैस मूल्य निर्धारण से संबंधित सुधारों पर फोकस करने के साथ–साथ सरकार को सर्वप्रथम प्राथमिकता के आधार पर बहुप्रतीक्षित और बेहद जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ देश का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।**

11. एक और महत्वपूर्ण कार्य स्वच्छता तथा सफाई व्यवस्था पर लोगों को शिक्षित बनाना है। संक्रमण एवं पुरानी दोनों ही प्रकार की बीमारियों के लिए सरकारी कदमों के जरिए रोकथाम जरूरी है। यह समाज को ज्यादा लाभ पहुंचाता है बजाय इसके कि बड़े पैमाने पर सृजित की गई महंगी सुविधाओं को। आज के सूचना क्रांति के इस युग में भारत के हर कोने में स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि हर जागरूक नागरिक, योग्य डाक्टर एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की सम्मिलित जिम्मेदारी है। किसी एक के प्रयास की बजाय हम यदि सामूहिक प्रयास करें तो हर स्तर पर बेहतरीन सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

12. इन्दौर की सांसद होने के नाते मैं सदा यही सोचती रहती हूं कि किस प्रकार अपने नागरिकों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध करा सकूं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लोकार्पण के लिए मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, इसके लिए मैं स्वास्थ्य मंत्री जी का अभिनंदन करती हूं। **अन्त में, मैं पुनः एक बार आप सभी को इस अवसर पर बधाई देती हूं और आशा करती हूं कि आप सब इस सेवा का लाभ उठाकर, स्वस्थ रहते हुए, आगे बढ़ेंगे और एक जिम्मेदार नागरिक के नाते राष्ट्र सेवा में समर्पित रहेंगें।**

ऊँ सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु
मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।